वर्चुअल क्लस्टर से बढ़ाएंगे कारोबार

मुंबई

business.indore@patrika.com

केंद्र सरकार देशभर में वर्चुअल क्लस्टर एप्रोच को तेजी से बढ़ावा देने जा रही है। वर्चुअल क्लस्टर के जरिए एक ही जगह से अपने उत्पादों की मार्केटिंग से लेकर बिक्री तक कर सकते हैं। एसएमई मंत्रालय ने ऐसे 2000 इंडस्ट्रियल क्लस्टर की पहचान की है, जिन्हें वर्चुअल नेटवर्क का फायदा दिलाने की कोशिश होगी।

छोटे और मझौले उद्यमियों यानी एसएमई के लिए देश-दुनिया में रोजगार के नए आयाम खोलने के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार वर्चुअल क्लस्टर को बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाएगी।

कॉमन प्लेटफार्म

वर्चुअल क्लस्टर एसएमई सेक्टर से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स को एक कॉमन प्लेटफार्म पर लाने का कारगर जरिया है। इसकी मदद से टेक्नोलॉजी के सहारे व्यापारी, सरकारी बैंक, प्राइवेट वित्तीय संस्थाएं और सप्लायर एक दूसरे से जुड़ सकेंगे। कोई भी छोटा कारोबारी वर्चुअल क्लस्टर का हिस्सा बन सकता है।

नोएडा में कार्यशाला

वर्चुअल क्लस्टर के प्लेटफॉर्म पर छोटे-मझौले व्यापारी और इंडस्ट्री से जुड़े दिग्गजों से सलाह मशविरा भी कर सकते हैं। एसएमई मंत्रालय की ओर से इस योजना को बढ़ावा देने के लिए 2 दिनों के लिए नोएडा में वर्कशॉप भी खोली गई, जिसमें देशभर से आए छोटे उद्यमियों ने हिस्सा लिया।

2 हजार क्लस्टर

एसएमई मिनिस्ट्री की ओर से सौंपे गए एजेंडे में वर्चुअल क्लस्टर योजना को भी प्राथमिकता में रखा है। मंत्रालय ने इसके लिए देशभर में 2000 इंडस्ट्रियल क्लस्टर की पहचान की है, जिन्हें वर्चुअल नेटवर्क से जोड़कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रही प्रतिस्पर्धा में उतरने के लायक बनाने की कोशिश होगी।

पांच लाख बेरोजगारों को मिलेगा प्रशिक्षण

सुशील पांडेय

निसबड ने दो साल का लक्ष्य तय किया, रोजगार मुहैया कराने को कसी कमर

दो दिवसीय कार्यशाला का केंद्रीय मंत्री कलराज मिश्र ने किया उद्घाटन

नोएडा। राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) ने दो साल के अंदर पांच लाख बेरोजगारों को ट्रेनिंग देने का लक्ष्य रखा है। निसबड का प्रयास रहेगा कि रोजगार मुहैया कराने के अवसरों में भी बढ़ोतरी की जाए।

शुक्रवार को आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान निसबड के महानिदेशक अरुण कुमार झा ने ये बातें कहीं। कार्यशाला का उद्घाटन सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग मंत्री कलराज मिश्र ने किया।

अरुण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण के बाद रोजगार लिाने का प्रतिशत 35 फीसदी रहा है और इसे 50 फीसदी करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का मकसद सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को एक प्लेटफॉर्म देना है। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दूसरे संस्थानों को भी एक-दूसरे से जुड़कर रास्ता निकालना होगा। केंद्रीय मंत्री कलराज मिश्र ने कहा कि इस कार्यशाला के जरिए स्किल डेवलपमेंट होगा और उद्योगों को आगे बढ़ाने के लिए तकनीकी प्रशिक्षण मिलेगा।

उन्होंने कहा कि बेरोजगारों को रोजगार दिलाने की दृष्टि से यह बहुत बड़ा कदम है। इस मौके पर मंत्रालय के सचिव माधव लाल, एसएमई के संयुक्त सचिव एसएन त्रिपाठी, एआरआई के संयुक्त सचिव बीएच अनिल कुमार भी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में औद्योगिक सेक्टर, शिक्षा, रिसर्च, तकनीकी संस्थानों, चैंबर ऑफ कॉमर्स, एनजीओ प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

अमर उजाला - 7 जून, 14

ENTERPRISE WORKSHOP

At its Noida campus, the National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development (NIESBUD) organised a workshop from June 6-7 on creating new opportunities for micro, small and medium enterprises (MSMEs) through a virtual cluster. Kalraj Mishra, Union minister of MSMEs, outlined the contribution of MSME sector in the economic progress of the country and highlighted the virtues of economic enterprises in removing social evils.

TOI - Edu. 9 June 14